Name of the State/UT	Death
9. Nagaland	1
10. Orissa	109
11. Punjab	11
12. Rajasthan	1
13. Tripura	11
14. West Bengal	20
15. Chandigarh	2
16. Mizoram	3
17. INK Project	5
TOTAL :	232

International Airport Facilities at Ahmedabad Airport

260. SHRI VITHALBHAI MOTIRAM PATEL: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) by when international airport facilities are likely to be provided at Ahmedabad airport; and

(b) what are the reasons for delay in providing international airports facilities at Ahmedabad airport?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) There is no plan to make Ahmedabad as an international airport. However, facilities for international flights are under consideration.

National Permit System

261. SHRI VITHALBHAI MOTIRAM PATEL: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government are considering a proposal to abolish National Permit System; and

(b) if so, when?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

केन्द्रीय सरकार के नियंत्रणाधीन अस्पतालों में अंग्रेजी का प्रयोग

262. **श्रीमती सुधा विजय जोशी** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार के नियंत्रणाधीन अस्पतालों में अधिकांश कार्य अंग्रेजी में किया जा रहा है, और यदि हां, तो इसके क्या कारण है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ;

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे): यद्यपि केन्द्रीय सरकार द्वारा चलाए जा रहे अस्पतालों में दोनों भाषाएं प्रयोग में लाई जाती है, फिर भी वहां पर राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के उपबन्धों के अनुसार हिन्दी में यथा सम्भव कार्य किया जा रहा है। जिन कर्मचारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान नहीं है उन्हें हिन्दी में आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

दिल्ली में आयुर्वेदिक और यूनानी मेडिकल प्रेक्टिशनरों का पंजीकरण

263. **श्रीमती सुधा विजय जोशी** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1963 में बोर्ड आफ आयुर्वेदिक एंड यूनानी मेडिसिन्स ने दिल्ली में कुछ लोगों की मेडिकल प्रेक्टिशनर के रूप में पंजीकरण हेतु सूची बनाई थी ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान कितने व्यक्तियों को पंजीकृत किया गया है और यदि अब तक ऐसा कोई पंजीकृत नहीं किया गया है तो उसके क्या कारण है ; और